सिंधु घाटी सभ्यता की वास्तुकला एवं नगर तथा भवनों की विशेषताएं

भाग:-5

डॉ विभूति भूषण
सहायक प्राध्यापक (अतिथि)

प्राचीन इतिहास विभाग
SNSRKS College Saharsa

सिंधु सभ्यता के निवास गृह

1. हड़प्पा सभ्यता के उत्खनन से यहाँ एक निवास गृहों के बारे में पता चलता है. यहाँ के छोटे मकानों में दो कमरें होते थे जबकि बड़े मकान महलों के आकार के होते थे.

2. मकानों के दरवाजे गलियों की ओर होते थे. प्रत्येक मकान में रसोईघर, आंगन, कुँए, स्नानागार तथा ढंकी नालियां बनी होती थी. हालाँकि कुछ गृह में कुँए नहीं भी मिलते है.

3. मकानों के दरवाजे संभवतः लकड़ी के बने थे और मध्य में न होकर अंत में लगाये जाते थे. मकानों की छते भी लकड़ी की बनाई जाती थी जिन पर चढ़ने के लिए पक्की इंटों की सीढियाँ बनाई जाती थी.

4. मकान एक दुसरे से सटाकर बनाये जाते थे किन्तु कभी-कभी दो मकानों के बीच एक फुट चौड़ा गलियारा भी छोड़ दिया जाता था.

5. दीवारों में हवा तथा प्रकाश के लिए पत्थर की जाली लगाईं जाती थी. इससे सूचित होता है की हड़प्पा संस्कृति के लोग स्वास्थ्य तथा सफाई के प्रति अत्यंत सजग थे.

6. भवनों में अलंकरण नहीं दिखाई देता है ये सादगी तथा उपयोगितावादी दृष्टिकोण से बनाये गये है न की भव्यता की चाह में. हालाँकि अलंकरण रहित होते हुए भी भवनों का निर्माण योजना उच्चकोटि की थी.